YOUNG INDIA > YOUNG PAPER

NBT

संडे नवभारत टाइम्स

नोएडा > रविवार, 17 दिसंबर 2017 > मार्गशीर्ष 26 शक 1939 पौष कृष्ण 15 विक्रम 2074 | नोएडा | पेज 30* > मूल्य 3.50 या 9.00 रुपये संडे टाइम्स ऑफ इंडिया सहित | www.nbt.in

टिप्स, ट्रिक्स...
p16
इनकम टैक्स बचाने के टूल्स

जस्ट जिंदगी
p15
ऐसे करें बोर्ड एग्जाम की तैयारी

अच्छी कनेक्टिविटी है यहां की सबसे बड़ी खासियत

जिस एरिया में बेहतर कनेक्टिविटी होगी। मूलभूत सुविधाएं होंगी। उसे बसने में अधिक वक्त नहीं लगता। वह जमीन का टुकड़ा देखते ही देखते शहर में बदल जाता है। यकीनन हाई वे और लिंक रोड शहरों की लाइफ लाइन होती हैं। इसका एक बेहतरीन उदाहरण है यमुना एक्सप्रेस वे।

दिल्ली, एनसीआर और इसके आस-पास कई हाई-वे हैं। ये उम्दा सड़कें डिवेलपमेंट के नए आयाम गढ़ रही हैं। वहीं लिंक रोड के आस-पास भी विकास की हवा चल रही है। हकीकत यह है कि रियल एस्टेट बेहतर कनेक्टिविटी के साथ जल्दी विकसित होती है। अगर कम्यूनिकेशन के साथ इंफ्रास्ट्रक्चर की बेसिक जरूरतें मौजूद हों तो रियल एस्टेट इंडस्ट्री पूरी रफ्तार से आगे बढ़ती है। इतिहास और आंकड़े तो यही कहते हैं। यकीनन बिना बेहतर कनेक्टिविटी और कम्यूनिकेशन के कोई भी शहर विकसित नहीं होता। अगर कभी कनेक्टिविटी में समस्या उत्पन्न हुई तो वह शहर ही उजड़ गया। जानकार कहते हैं कि किसी भी एरिया में रेजिडेंशल या कमर्शल

बिल्डिंग बनाने से पहले उस एरिया की कनेक्टिविटी को ठीक करना जरूरी है। अगर कनेक्टिविटी बेहतर होगी तो वह खुद ब खुद ही शहर का शक्ल ले लेगी। इसका बेहतरीन उदाहरण है यमुना एक्सप्रेस वे।

यमुना एक्सप्रेस वे

इस नाम से तो सभी परिचित हो चुके हैं। ग्रेनो से आगरा को जोड़ने वाला यह एक्सप्रेसवे डिवेलपर्स के साथ-साथ इन्वेस्टर्स को भी खूब लुभा रहा है। 165 किमी के इस एक्सप्रेसवे के दोनों तरफ कई बड़े बिल्डर्स यहां पर अपनी मौजूदगी दर्ज करा रहे हैं। यहां हर तरह के फ्लैट उपलब्ध हैं। कई बन रहे हैं। कई पजेशन के काफी करीब हैं। दरअसल, यह एरिया कनेक्टिविटी के रूप में पहले ही विकसित हो चुकी है। क्रेडाई नैशनल के वीपी और गौड़संस ग्रुप के एमडी मनोज गौड़ कहते हैं 'किसी भी क्षेत्र में एक वक्त के बाद परिपूर्णता की स्थिति आना तय हैं। हम नोएडा एवं ग्रेटर नोएडा में भी ऐसी स्थिति कुछ सालों बाद अनुभव करेंगे।

कई खासियत

यमुना एक्सप्रेस वे इसलिए भी खास नहीं है कि यहां से नोएडा और दिल्ली नजदीक है, बल्कि अगर ऐतिहासिक शहर आगरे की बात करें तो यह भी यहां से 90 से 100 मिनट की दूरी पर ही उपलब्ध है। यानी इस इलाके में जो लोग रहेंगे उनके लिए वीकेंड पर आगरा, मथुरा, वृंदावन जैसे शहर को हर वीकेंड देख सकेंगे। यमुना एक्सप्रेस वे की खासियत है कि यह एरिया अपने साथ कई बेहतरीन संस्थानों और कैंपसों की मौजूदगी का गवाह है। इनके अलावा यहां पर तीन यूनिवर्सिटीज गलगोटिया, नोएडा इंटरनैशनल और गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटीज की मौजूदगी है। हायर एजुकेशन के लिए बाहर जाने की जरूरत नहीं होगी।

क्रेडाई नैशनल के वीपी और गौड़संस ग्रुप के एमडी मनोज गौड़ कहते हैं 'किसी भी क्षेत्र में एक वक्त के बाद परिपूर्णता की स्थिति आना तय हैं। हम नोएडा एवं ग्रेटर नोएडा में भी ऐसी स्थिति कुछ सालों बाद अनुभव करेंगे।